GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.214
TO BE ANSWERED ON THE 16TH MARCH, 2021
BENEFICIARIES OF COVID-19 VACCINATION PROGRAMME

214 # CH. SUKHRAM SINGH YADAV:

Will the Minister of Health and Family Welfare be pleased to state:

(a) the details of beneficiaries who have taken COVID-19 vaccine till date;

(b) the number of citizens targeted to be brought under safety net by giving COVID-19 vaccine in the next five months and by when all the citizens of the country would be vaccinated;

(c) the details of the export of 'Made in India' COVID-19 vaccines;

(d) whether our citizens are facing hurdles in getting vaccines due to export thereof;

(e) whether Government is considering to provide COVID19 vaccines to all citizens free of cost; and

(f) whether the process of vaccination is going at a very slow pace?

ANSWER
THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DR. HARSH VARDHAN)

(a) to (f) A Statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 214* FOR 16TH MARCH, 2021

(a) As on 15th March 2021, 2.45 Crore 1st doses and 54.55 lakh 2nd doses were given covering 2.99 crore beneficiaries, as prioritized by National Expert Group on Vaccine Administration for COVID-19 (NEGVAC).

(b) The National Expert Group on Vaccine Administration for COVID-19 (NEGVAC) has prioritized Health Care Workers, Front Line Workers, persons aged 60 years and above, and those aged between 45 to 59 years with 20 identified comorbidities for COVID-19 vaccination. The COVID-19 Vaccination is an ongoing and dynamic process, which is being expanded to include beneficiary groups as prioritized by National Expert Group on Vaccine Administration for COVID-19 (NEGVAC). In view of dynamic nature of COVID-19 pandemic and inclusion of new priority groups, no time frame, at present can be indicated for completion of vaccination.

(c) As on 15th March 2021, a total of 5.86 crore doses of 'Made in India' COVID-19 vaccines have been provided to 71 countries as grant by Govt. of India, as well as commercial sales by manufacturers and as part of international agreements of manufacturers with COVAX facility which has more than 190 member countries.

(d) External supplies are being undertaken with due regard to domestic production. Priority is accorded to utilization of doses within the country and ensuring adequate availability for the national vaccination programme.

(e) COVID-19 vaccine is being provided free of cost at Government COVID-19 Vaccination Centres (CVCs) while at Private CVCs, COVID-19 vaccine is available at a ceiling cost of INR 250 per dose per person.

(f) The current rate of COVID-19 vaccination is satisfactory and is being further increased through increase in number of COVID-19 Vaccination Centres (CVCs) in both Government and Private health facilities.

******

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 214
16मार्च, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थी

***214 चौधरी सुखराम सिंह यादवः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अब तक कोविड-19 का टीका लगवाने वाले लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) अगले पांच महीने में कोविड-19 का टीका लगाकर कितने नागरिकों को सुरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा देश के सभी नागरिकों को कब तक टीका लगाया जाएगा;
(ग) 'मेड इन इंडिया' कोविड-19 वैक्सीन के निर्यात का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या उक्त निर्यात के कारण हमारे नागरिकों को टीका लगवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है;
(ङ) क्या सरकार सभी नागरिकों को कोविड-19 वैक्सीन निःशुल्क मुहैया कराने पर विचार कर रही है; और
(च) क्या टीकाकरण की प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चल रही है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) से (च): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

16 माच, 2021 के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं.214 के उत्तर म उल्लिखित **विवरण**

(क): कोविड-19 वैक्सीन टीकाकरण संबंधी राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह (नेगवैक) द्वारा तय को गई वरीयता के अनुसार, 15 माच, 2021 तक 2.99 करोड़ लाभार्थियों को कोविड-19 वैक्सीन लगाई गई है जिनम 2.45 करोड़ लाभार्थियों को पहली खुराक और 54.55 लाख को दूसरी खुराक लगाई गई है।

(ख): कोविड-19 वैक्सीन टीकाकरण संबंधी राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह (नेगवैक) ने कोविड-19 टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य परिचया कर्मियों, फ्रंटलाइन कर्मियों, 60 वष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों और 20 निर्धारित सहरुग्णताओं से ग्रस्त 45 से 59 वष को आयु के व्यक्तियों को वरीयता दी है। कोविड-19 टीकाकरण एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, जिसका नेगवैक द्वारा निर्धारित वरीयता के अनुसार लाभार्थी समूहों को शामिल करके विस्तार किया जा रहा है। कोविड-19 महामारी को परिवतनशील प्रकृति को देखते हुए और टीकाकरण प्रक्रिया म नए वरीयता समूहों के शामिल होने के कारण फिलहाल टीकाकरण के पूरा होने को कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती।

(ग): 15 माच, 2021 को स्थिति के अनुसार, भारत सरकार द्वारा अनुदान के रूप म, विनिमाताओं द्वारा वाणिज्यिक बिक्री के रूप म और साथ ही विनिमाताओं द्वारा 190 से अधिक देशों को सदस्यता वाली कोवैक्स सुविधा के साथ किए गए अंतरराष्ट्रीय करारों के भाग के रूप म 'भारत म बनी' कोविड-19 वैक्सीनों को कुल 5.86 करोड़ खुराक 71 देशों को प्रदान को गई ह।

(घ): घरेलू उत्पादन का सम्यक ध्यान रखते हुए विदेश म आपूर्तियां को जा रही ह। देश के भीतर ही खुराकों का उपयोग करने के साथ-साथ राष्ट्रीय टीकाकरण कायक्रम के लिए टीकों को पयाप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई है।

(ङ): कोविड-19 वैक्सीन सरकारी कोविड-19 टीकाकरण कद्रों (सीवीसी) पर नि:शुल्क प्रदान को जा रही है जबकि निजी सीवीसी पर, कोविड-19 वैक्सीन प्रति व्यक्ति प्रति खुराक 250 रुपए को उच्चतम लागत पर उपलब्ध है।

(च): कोविड-19 टीकाकरण को मौजूदा दर संतोषजनक है और सरकारी और निजी दोनों तरह के स्वास्थ्य सुविधा कद्रों म कोविड-19 टीकाकरण कद्रों (सीवीसी) को संख्या को बढ़ाकर इसे और बढ़ाया जा रहा है।

*****

चौधरी सुखराम सिंह यादव : उपसभापति जी, यह कोविड महामारी पूरे विश्व में आई है और उसका असर हमारे देश पर भी पड़ा है, लेकिन सरकार ने काफी अच्छी व्यवस्थाएँ कीं, जिनकी वजह से इसका असर जितना होना चाहिए था, यह हिन्दुस्तान में उतना नहीं हो पाया। मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी को बधाई दूँगा।

दूसरी ओर, मैंने जो प्रश्न लगाया था, उसके सम्बन्ध में मैंने कहा था कि यह जो वैक्सीन लग रही है, यह वैक्सीन आप बाहर विदेशों में बहुत भेज रहे हैं। इसके लिए आपका अंतरराष्ट्रीय समझौता होगा, तो आप भेजेंगे, लेकिन हिन्दुस्तान के लोगों को यह वैक्सीन बहुत कम संख्या में लग रही है और उसकी उपलब्धता बहुत कम है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि वे कब तक इस वैक्सीन को हिन्दुस्तान के लोगों को नि:शुल्क और सभी लोगों को लगवाने का प्रयास करेंगे?

डा. हर्ष वर्धन : सर, मैं माननीय सदस्य को यह सूचित करना चाहता हूँ कि भारत के लोगों को जो वैक्सीन दी जा रही है या विदेशों में भेजी जा रही है, वह किसी भी कीमत पर भारत के लोगों के expense पर विदेशों को नहीं भेजी जा रही है। इसके लिए highest level पर experts भी हैं और सरकार की एक कमिटी है, जो इसके बारे में एक बहुत ही reasonably sensible balance maintain कर रही है। That is number one.

दूसरी बात यह है कि आपने कहा कि बहुत कम लोगों को वैक्सीन उपलब्ध हो रही है। कल की तारीख में भी 30,39,394 लोगों ने भारत के अन्दर केवल कल के दिन ही वैक्सीन ली है। हम लोग 3 करोड़ के figure तक पहुँच चुके हैं। जो criteria तय किए गए हैं, वे scientific दृष्टि से तय किए गए हैं, वे experts ने तय किए हैं। Experts ने international bodies, WHO और professional bodies की recommendations के परिप्रेक्ष्य में, भारत की overall परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में उन criteria को तय किया है, क्योंकि एक dynamic process है। यह बीमारी भी, कोविड का वायरस भी जिस तरह से आगे-पीछे फैल रहा है, यह भी एक dynamic process है। उसी के आधार पर ये priorities तय हो रही हैं। आज भी जो priorities तय हैं, उनमें जो भी कोई वैक्सीन लेना चाहता है, उसके लिए कहीं कोई रुकावट नहीं है। वह कोविन प्लेटफॉर्म पर अपने आपको register करके देश के नजदीक के किसी भी अस्पताल में जा सकता है। आपने free की बात कही। सारे सरकारी अस्पतालों में यह वैक्सीन free उपलब्ध है। जो प्राइवेट अस्पताल हैं, वहाँ पर भी केवल 250 रुपए में जो लोग afford कर सकते हैं, जो पैसा देकर वैक्सीन लेना चाहते हैं, ले सकते हैं। इस 250 रुपए में भी जो प्राइवेट अस्पताल हैं, उनको maximum 100 रुपए तक खर्च करने के लिए दिए गए हैं, जो charges, इत्यादि उसको व्यवस्था करने में लग सकते हैं। वैक्सीन की कीमत को pricing strategy के तहत 150 रुपये तक कैप किया गया है। सरकार इस विषय में पूरी गहराई और गम्भीरता के साथ काम कर रही है।

श्री उपसभापति : माननीय मंत्री जी, कृपया आप ब्रीफली बताएं।

डा. हर्ष वर्धन : सर, मैं सिर्फ एक चीज़ और बताना चाहूंगा। इस पॉलिसी के कारण सारे संसार में हमारे प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी की तारीफ हो रही है। कल तक 72 देशों को 5.94 crores vaccine doses भेजी जा चुकी हैं। शुरू से ही हमारे देश की यही सोच रही है कि यह सारा संसार हमारे लिए परिवार है। सर, जो साइंस होता है, वह ग्लोबल होता है और उसकी जो अचीवमेंट

होती है, उसका जो आउटकम होता है, वह सभी के लिए होता है। टेक्नोलॉजी लोकल हो सकती है, लेकिन साइंस का जो लाभ है, वह पूरी मानवता को ही मिलना चाहिए।

श्री उपसभापति : धन्यवाद, माननीय मंत्री जी। मेरा सवाल पूछने वाले सदस्यों से और माननीय मंत्रीगण, दोनों से ही आग्रह है कि कृपया ब्रीफली पूछें। इससे अधिक से अधिक लोगों को बोलने का मौका मिलेगा। चौधरी सुखराम जी, आप दूसरा सप्लीमेंटरी पूछिए।

चौधरी सुखराम सिंह यादव : माननीय उपसभापति जी, मेरा दूसरा प्रश्न है कि क्या माननीय मंत्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे कि जो लोग 60 साल की उम्र से ऊपर हैं और किन्हीं कारणों से अस्पताल नहीं जा सकते हैं, क्या उनके घर में किसी को भेजकर निशुल्क वैक्सीन लगवाने की व्यवस्था की जाएगी?

डा. हर्ष वर्धन : सर, यह विषय अभी एक और माननीय सदस्य ने भी फ्लैग किया है और ऑलरेडी यह हम सबके माइंड में फ्लैग्ड है। हमें समय-समय पर इस तरह की जानकारियां मिलती रहती हैं। हमारा जो एक्सपर्ट ग्रुप है, उसके सामने भी हमने यह विषय फ्लैग किया हुआ है। इसमें बात यह है कि अस्पताल में या किसी हेल्थ सेंटर में जो वैक्सीन दी जाती है, आप जानते हैं कि उसके बाद 30 मिनट का ऑब्ज़र्वेशन भी किया जाता है। इस प्रकार के बहुत सारे नॉर्म्स और भी हैं कि वहां आस-पास में क्या-क्या व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अगर किसी को किसी प्रकार का कोई साइड इफेक्ट होता है, और विशेषकर आप जिस उम्र के लोगों के लिए बात कर रहे हैं, उनके लिए तो और भी अधिक सावधानी रखने की जरूरत होती है। लेकिन चूंकि यह इश्यू यहां पर रेज़ किया गया है, इसलिए हम अपनी एक्सपर्ट कमिटी के सामने इसको रखेंगे। अगर इसमें कोई भी बैटर रास्ता निकलेगा, जो किसी भी प्रकार से उन लोगों के स्वास्थ्य को या उनके ऊपर आने वाले रिस्क को कॉम्प्रोमाइज़ नहीं करेगा, तो उसके बारे में हम गम्भीरता से विचार करेंगे।

DR. SANTANU SEN: Through you, Sir, my supplementary before the learned Minister is this. There are several confusions in the mind of the people across the country regarding the efficacy of this Covid vaccines, regarding the sustainability of immunity even after the second dose and mainly regarding the need for the booster dose, especially, when the British Medical Journal has said that booster dose is needed as there might be a serious surge in the coming winter season. My question to the hon. Minister is: Has our Government taken serious note of this or not?

DR. HARSH VARDHAN: Sir, the Central Health Ministry, especially, the NEGVAC, the National Expert Group, keep in touch with all the latest developments happening anywhere in the country and also outside the country, and whatever decisions are taken by the Ministry and whatever guidelines are issued, these are made only after considering all the valid and relevant aspects of the particular subject.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, my specific question, through you, to the hon. Minister is about the efficacy and coverage of the vaccines which are currently in use in the country against the various variants, the U.K. variants, the South African and Brazilian variants. The three national labs have been working on the Indian variants because we have a population of 130 crores, and many Indian variants are emerging and the Government is aware of that, particularly, of the recent surge in many States. Will the Government place in domain nationally and globally, the information that is there and the tests which are going on, on the Indian variants and the efficacy of the vaccines against all these variants?

DR. HARSH VARDHAN: Sir, all this information is already in the public domain, and whatever information, basically, the genome sequencing data, etc., this is all shared with the international groups also; like, we have access to their information and they have access to our information. And, Sir, regarding the first part of his question, the efficacy of the vaccines on the mutants, right now, the experts are of the opinion, particularly, about one vaccine, they are very clear that this is also very, very effective on the possible mutations also.

डा. अनिल जैन: उपसभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं। कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए जो केन्द्र सरकार ने प्रयास किये हैं और अब तक लगभग तीन करोड़ लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है, इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री और माननीय हैल्थ मिनिस्टर का धन्यवाद और अभिनन्दन करता हूं। मेरा सवाल यह है कि वैक्सीन के प्रबंधन पर गठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह और राष्ट्रीय तकनीकी परामर्श समूह द्वारा कोविड-19 वैक्सीन की आपूर्ति तथा क्रय के लिए अपेक्षित वित्तीय संसाधनों की समीक्षा रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है?

इसके साथ ही मैं कहना चाहता हूं कि अब तक कितने डॉक्टर्स, हैल्थ वर्कर्स फ्रंटलाइन वर्कर्स का वैक्सीनेशन हुआ है? क्योंकि पहले यह संख्या तीन करोड़ थी - अभी तीन करोड़ हुई है तो निश्चित रूप से वे लोग अभी रह गये हैं और वे क्यों रह गये हैं, इसकी क्या व्यवस्था है?

डा. हर्ष वर्धन: सर, जो फाइनेन्शियल रिसोर्सेज़ के बारे में पूछा गया है, ऑलरेडी आप जानते हैं कि हमारी ऑनरेबल फाइनेन्स मिनिस्टर यहां बैठी हैं, we are really grateful to her and also to the hon. Prime Minister of India. अभी भारत सरकार सारे देश को वैक्सीन उपलब्ध करा रही है - भारत सरकार स्टेट्स को दे रही है और स्टेट्स आगे सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों को दे रहे हैं। हमारी माननीय वित्त मंत्री जी ने बजट में 35 हज़ार करोड़ रुपये का प्रावधान एक्सक्लूसिवली कोविड-19 के वैक्सीनेशन के लिए किया है। साथ में मुझे उनका एक और वाक्य याद है कि उन्होंने कहा है कि यदि और भी पैसे की जरूरत पड़ेगी तो she will make provision for that also. So, we are really grateful to our Prime Minister and our Finance Minister that they have given us the details about it. Sir, regarding the number of doctors; I

have got that number. I can tell that till yesterday, how many of the Covid workers have got vaccinated; I will just place it on the Table. I have the details of how many Covid-19 workers and frontline workers are there.